



जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र



द्वि - वार्षिक समाचार



जने के समाचार

अंक 52 • मई 2019

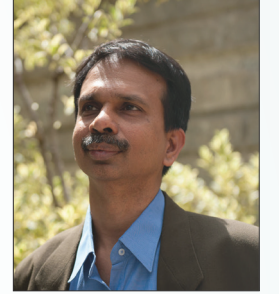
www.jncasr.ac.in

अध्यक्ष की ओर से संदेश

सभी प्रिय सहयोगियों,

प्रथमतः मैं हम सभी की ओर से प्रो. वी. नागराज को अपनी कृतज्ञता प्रकटना चाहता हूँ, जिन्होंने अपनी अध्यक्षीय कार्यवाही को मई-19 में समाप्त किया। वे हम सब के लिए प्रोत्साहन के महान स्रोत के रूप में रहे तथा उनकी कार्यवाही में हमारे संस्थान ने अनेक मील के पत्थर प्राप्त कर लिए हैं।

ये विगत कुछ महीने, जनेउवैअके पर अनेक अग्रस्थानों में प्रगति एवं उपलब्धियों के साथ उत्तेजनात्मक समय के रहे हैं। हमारे अनेक संकायों ने या तो राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न मंचों पर मान्यता प्राप्त कर ली है। प्रो. सी.एन.आर. राव ने पदार्थ अनुसंधान के लिए प्रथम शेख सौद अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया है, जबकि प्रो. एम.आर.एस. राव ने एसईआरबी के वर्ष विज्ञान पीठ के प्रोफेसरशिप प्राप्त किया तथा प्रो. मनीषा इनामदार को WHO (वि.स्वा.सं.) के परामर्शी समिति के सदस्य के रूप में चुना गया है, जिन्होंने मानव न्यूनतम सूत्री संस्करण के अभिशासन एवं निरीक्षण के लिए वैश्विक मानकों को विकसित किया है। यों हमने अकादमी अधिसदस्यों तथा स्वर्ण जयंती अधिसदस्यताओं का अपना अंश (शेयर) प्राप्त कर लिया है तथा अन्य मान्यताओं (सम्मानों) की सूची अन्यत्र इस मंच पर दी गई है। सभी प्राप्तकर्ताओं को बधाइयाँ।



हमने हाल ही में अनुसंधान विशिष्टियाँ तथा उत्कृष्ट प्रकाशन प्राप्त कर लिए हैं तथा प्रदत्त (स्वीकृत) एकास्वाधिकारों, संचालित कार्यशालाओं तथा अन्य शैक्षिक कार्यकलापों के संदर्भ में भी प्रगति कर ली है। सूत्रपात (पहल) की अग्रगामिता के रूप में 200 के.डब्ल्यू. सौर शक्ति (विद्युत) संयंत्र की स्थापना की गई है, जो कार्यप्रवृत्त हो गया है, जो हमारे लिए धन की बचत करता है तथा कार्बन (CO₂) के उत्सर्जन का उपशमन करता है। इस मार्गदर्शी प्रयत्न को और आगे अपने हरित-योजना (शस्त्रश्यामला) सूत्रपात में विस्तारित कर लिया जाएगा। यह विषय मुझे अत्यंत प्रसन्नता प्रदान करता है कि विद्यार्थी समुदाय को ज्ञात हो कि अंततः हमने नए छात्रावासों के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया है जो 350 विद्यार्थियों को आवास देने की क्षमतावाला होगा।

अन्य उपलब्धियों प्रगतियों तथा विशिष्टियों को आगामी पूर्ण में स्थान दिया गया है। आप सब की ऊर्जा तथा उत्साह के साथ मुझे विश्वास है कि जनेके आगामी दिनों में उपलब्धि प्राप्त कर लेगा।

शुभकामनाओं के साथ।

के.एस. नारायण

प्रभारी अध्यक्ष

भीतरी पन्नों में

- 02 अग्रणी समाचार
- 03 अनुसंधान विशिष्टियाँ
- 04 शैक्षिक कार्यकलाप एवं बौद्धिक संपत्ति
- 05 अधिगम कार्यक्रम
- 06 पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ
- 07-08 व्याख्यान, बैठकें तथा घटनाएँ (कार्यक्रम)



दि. 25 अप्रैल, 2019 को प्रो. वी. नागराज, अध्यक्ष, जनेउवैअके द्वारा नव 200 के.डब्ल्यू. छतोपरि सौर विद्युत संयंत्र का उद्घाटन।

इस संयंत्र को जनेउवैअके के चार भवनों [ICMS, ECMS नवीन रंगमंदिर (ऑडिटोरियम) तथा पुरुष छात्रावास] के छतों पर स्थापित किया गया है, जिसमें 615 पी.वी. पैनल हैं, जिसके साथ 2 प्रतीपक (इन्वर्टर), डाटा संग्राहक प्रणालियाँ पाइरनोमीटर तथा तापमान संवेदक भी हैं। इस सौर संयंत्र से वार्षिक विद्युत उत्पादन 3,00,000 के.डब्ल्यू. होगा तथा इस प्रकार रु.24,00,000/- की बचत होगी। इस संयंत्र द्वारा कार्बन (CO₂) उत्सर्जन के प्रशमन (न्यूनीकरण) का प्राक्कलन लगभग 6150 टन बताया जाता है।

दि.25 अप्रैल, 2019 को नव छात्रावास-V के लिए भूमि खुदाई उत्सव का आयोजन किया गया।

प्राक्कलित परियोजना की कालावधि 15 महीनों की है, जिसमें भूतल + चार तलों (फ्लोर) का निर्माण होगा, जिसमें 118 विद्यार्थियों को आवास मिलेगा।



अग्रणी समाचार



संपादक की ओर से

प्रायः उच्च स्तरीय अकादमीय कार्यकलापों के प्रतिफलन के कारण से विगत सत्र (सेमेस्टर) के दौरान जहाँ हमने संख्या तथा आकार में वृद्धि प्राप्त की है, वहीं पर हमारे परिसर विगत सत्र में अनेक उत्तेजनात्मक अकादमीय/शैक्षिक घटनाओं के लिए आतिथेय बना। अनेक अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर की बैठकों, सम्मेलनों तथा कार्यशालाओं के साथ-साथ प्रत्येक एकक द्वारा संगोष्ठियों तथा व्याख्यानों का आयोजन किया गया, जिनमें विभिन्न विज्ञान की अंतर्शाखाओं में विद्यार्थियों तथा अनुसंधानकर्ताओं ने भाग लिया। उनके साथ-साथ हमारे यहाँ स्कूलों के युवा-विद्यार्थी-आगंतुक आए थे, जिन्होंने अनुसंधान को क्रियान्वित होते हुए उसकी प्रथम झलक प्राप्त कर ली तथा साथ ही अपने स्नातक छात्र के मित्र के साथ औपचारिक रूप से चर्चा कर पाए। ग्रीष्म के आगमन के साथ हम उन स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का स्वागत अल्पावधि प्रशिक्षुता (इंटरनशिप) के लिए करते हैं तथा उनमें अवश्य ही (प्रत्याशा से) वैज्ञानिक साहस के लिए जीवन पर्यंत की तृष्णा को प्रज्ज्वलित कर देंगे।

बृहत आकार के अपने इस संस्थान के प्रति हम उच्च स्तरीय वैज्ञानिक व्याख्यानों के लिए गर्व का अनुभव करेंगे। जनेउवैअके, आगामी वर्षों में इस संवेग को बनाए रखने के लिए अपने युवाविद्यार्थियों तथा संकाय सदस्यों की प्रतीक्षा करेंगे।

शीबावासु, पीएचडी

सहयोगी प्रोफेसर तंत्रिका विज्ञान एकक,
जनेउवैअके

सहयोगी प्रोफेसर नाड़ी विज्ञान एकक

प्रो. सी.एन.आर. राव ने UAE के उन्नत पदार्थ केंद्र द्वारा दिए जानेवाले पदार्थ अनुसंधान के लिए प्रथम शेख सौद अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रो. मनीषा इनामदार MBGU को WHO (वि.स्वा.सं.) के परामर्शी समिति के सदस्य के रूप में चुना गया है, जिन्होंने मानव न्यूनतम सूत्री संस्करण के अभिशासन एवं निरीक्षण के लिए वैश्विक मानकों को विकसित किया है।

ब्रीद दल (डॉ. रक्षित आर. बेलूर, प्रो. उमेश वी. वाघ्मारे तथा डॉ. सेवास्टियन सी. पीटर) को "पर्यावरणीय प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता" की श्रेणी में 12वें (स्वच्छता औचित्य मंच) क्लीन इक्विटी फोरम मोनाको में प्रथम रनर अप के रूप में चुना गया है।

एक समझौता जापान दि.4 फरवरी, 2019 को जनेउवैअके तथा BIAL (बैं.अ.वा.प्रा.) के बीच में "कोहरा पूर्वानुमान के विकिरण अध्ययन" के विषय पर हस्ताक्षर किए गए। जनेउवैअके इस परियोजना के निधियन के लिए INR 1.5 करोड़ रुपए BIAL से प्राप्त करनेवाला है, इसके स्थान पर BIAL इस परियोजना पर अर्जित बौद्धिक-संपत्ति से अनुमोदन वित्तीय लाभ का प्रतिशत प्राप्त करेगा।

आगंतुक विज्ञानी

प्रो. गीता बालकृष्णन
डॉ. अविनाश कुमार
प्रो. गौरी ब्राउन
डॉ. सुवदीप दास

आगंतुक विद्यार्थी

मि. निकेत सुरेश पावार
मि. क्षितिज करजेकर
सुश्री हिमानी मेधी
मि. अनीश डिसिल्वा
सुश्री दोहा बेराओन
सुश्री अवानी बापत

अनुसंधान विशिष्टियाँ



मेरुरज्जु क्षतियों के लिए उपचार की ओर एक छलांग

मेरुरज्जु क्षतियाँ (SCIs) विध्वंसक हो सकती हैं, विशेषकर इसलिए कि मेरुरज्जु की क्षति होने पर वह अपने आपको विरलता से दुरुस्तकर लेती है। जनेउवैअर्के के प्रो. कुंदु के नेतृत्ववाले दल ने लंदन के इंपिरियल कॉलेज के प्रो. डॉ. ग्लोवन्नी के सहयोग में हाल ही में हिस्टॉन असाइलट्रांसफेरस के अल्प अणु सक्रियक (प्रो. कुंदु दल द्वारा आविष्कारित) से संयोजित (मूलतः प्रो. एम. ईश्वरमूर्ति CPMU तथा प्रो. कुंदु के दल द्वारा विकसित) ग्लूकोस (शर्करा) द्वारा व्युत्पन्न कार्बन नानो-वृत्तों (स्फेरॉ) के उपयोग द्वारा पुनरुज्जीवन के उन्नयन तथा संवेदक तथा चालक (मोटार) तंत्रिकाओं (नाडियों) के अंकुरन को उत्तेजित करने के साधन (तंत्र) को प्राप्त कर लिया है। यह कौशल मेरुरज्जु क्षतियों तथा तंत्रिका ह्रासी स्थितियों के लिए महत्तर चिकित्सात्मक विभव (संभाव्य) के रूप में कार्य करेगा।

अर्बुद के विरुद्ध संघर्ष में

जनेउवैअर्के के प्रो. मनीषा इनामदार के नेतृत्व वाले दल ने अस्मिज नामक एक नलिका कोशिका प्रोटीन का आविष्कार किया है, जो पेशी बहुसर्जकता रोग (कोशिकाओं के अतिरिक्त उत्पादन को वर्धित करनेवाले अस्थि-मज्जा और रक्त-विकार) के प्रतिरोध (निवारण) में क्रांतिक पात्र लेता है। उनके अध्ययन ने रोग की स्थिति के आधारभूत आण्विक तंत्रों में अंतर्दृष्टि प्रदान की है। महत्वपूर्ण से, उन्होंने एक नए मूषिका नमूने को विकसित कर लिया है, जो रक्त-अर्बुद (केन्सर) के विरुद्ध चिकित्सात्मक कौशलों की पहचान में अत्यंत लाभदायक होता है। इस विषय (कार्य) को अमरीकी रुधिर-विज्ञान सोसाइटी (संघ) के एक जर्नल 'ब्लड' में प्रकाशित किया गया है।

तंत्रिका ह्रासी रोगों [ND न्यूरो डिजनरेटिव डिसीज] के उपचार के प्रति एक कदम निकट

दो वर्षों के पहले, डॉ. रवि मंजिताय के नेतृत्ववाले दल ने यह रिपोर्ट दी है कि नवल अणुओं को एक भारी संख्या, जो संभाव्य रूप से स्वभक्षी प्रक्रिया को वर्धित करती है जो प्रमुख रूप से अनावश्यक अथवा दुष्क्रियात्मक शारीरिक घटकों को (स्वच्छ) शुद्ध कर देती है। स्वभक्षी का विघटन का कार्य पार्किंसन तथा अल्जेमर जैसे (रोगों) तंत्रिकाह्रासी रोगों (विकारों) के साथ संबद्ध होता है। इस प्रकार ये अणु तंत्रिका (नाडी) संरक्षणात्मक (अभिकर्ताओं) एजेंटों के रूप में आश्वासन प्रदान करते हैं। हाल ही में, मैसूरु स्थित एक बयोटेक (जैव प्रौद्योगिकी) कंपनी - विप्राजेन बयोसाइन्स - ने जनेउवैअर्के के साथ भागीदारी की है ताकि वह इस अनुसंधान को आगे बढ़ा सके तथा तंत्रिकाह्रासी रोगों के विरुद्ध संभाव्य औषधि-(घटक) तत्व की पहचान कर सके।

प्रकृति की रासायनिकी का अनुकरण

जैविकीय प्रक्रियाओं ने अकाट्य रूप से रासायनिक प्रतिक्रिया जाल कार्यों का विनियंत्रित किया है तथा वैज्ञानिक दीर्घकाल से प्रकृति के सक्षम तंत्र के अनुकरण से संक्षेपित प्रणालियों के सृजन के लिए प्रयत्न करते रहे हैं। हाल ही में जनेउवैअर्के के डॉ. सुबी जे. जॉर्ज के दल ने (नलिका कोशिका संस्थान) हन्स्टेम के सहयोग में एक ऐसी रासायनिक-द्रव-चालित स्व-संयोजक प्रणाली का अभिकल्प कर लिया है, जिसे

एक नियंत्रित रूप से वर्धित या असंयोजित किया जा सकता है। इसके साथ-साथ यह प्रणाली बहु अणु संकेतों के लिए प्रतिक्रियात्मक होता है, जो अंतर्निहित वृद्धि तथा अपवृद्धि (लक्षणों) गुण धर्मों को अग्रसर करती है तथा जो जीव-जैसे प्रकृति प्रणाली को सुझाती है। कार्यकरणीय (अनुप्रयुक्तता) अधि-आण्विक पदार्थों के विकास में एक प्रमुख कदम (चरण) रहा है।

त्याज्य, (ऊष्म) उष्ण से क्यों विद्युत पुनः प्राप्त करें।

किसी भी प्रकार की ऊर्जा के उपयोग में उष्णता का अपव्यय (छितराव) अपरिहार्य होता है। सन्निकट विश्वव्यापी ऊर्जा-संकट पर विचार करते हुए, त्याज्य उष्णता को विद्युत में परिवर्तित कर लेना एक अत्यंत उत्पादक तत्व है। जनेउवैअर्के के डॉ. कनिष्क बिस्वास तथा उसके दल ने, हाल ही में इसे संभवनीय बनाने का मार्ग प्राप्त कर लिया है। यद्यपि यह विचार तो दीर्घकाल से चल रहा था। ऐसे परिवर्तन करने के लिए परिपूर्ण (समर्थ) पदार्थ प्राप्त करने में वैज्ञानिकों को वंचित किया था। अपेक्षित पदार्थों में सम्मिलित होते हैं - उच्च विद्युतीय चालकता अति निम्न ऊष्म-चालकता तथा प्रदत्त तापमान अनुपात से उच्च विद्युत-ओल्टेज के उत्पादन की क्षमता। डॉ. बिस्वास के दल ने इन आवश्यक स्थितियों को लौह-विद्युत अस्थिरता नामक नवल संकल्पना का उपयोग करके प्राप्त कर लिया है।

जल में पारद प्रदूषण का सामना करना (हल करना)

यह पारद प्रदूषण हमारे पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर भय (संकट) रहा है। भारत में, जलाशयों (जल निकायों) में पारद संदूषण भयावह (संत्रास) स्तर तक पहुँच गया है, जो पेय-जल के लिए WHO (वि.स्वा.सं.) के अनुमत मानक (0.001Mg/L). से ऊपर है। अतः पारद-स्तर को मूल्यांकन (आँकना) निखरता से करना संकटात्मक (क्रांतिक) रहा है। जनेउवैअर्के के डॉ. गोविंदराज के दल ने RMIT ऑस्ट्रेलिया के सहयोग में एक ऐसे नवल संवेदक को विकसित कर लिया है, जो किसी निम्न मात्रा के पारद का पता लगा सकता है। यह संवेदक सतह वर्धित रामन वर्णक्रमदर्शी के तत्वों पर कार्य करता है तथा जल में पारद के प्रति क्वाड्रिलियन के 0.01 अंश का मापन कर सकता है। यह कौशल पारद संदूषण के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण होगा।

धनायन अनुक्रमण

पेरोवस्काइट ऑक्साइडों में अति-चालकता, चुंबकीय निरोधकता, ऑयनिक चालकता तथा परा-विद्युतीय लक्षण जैसे रोचक तथा मूल्यवान गुणधर्म होते हैं। दोहरे पेरोवस्काइट ऑक्साइडों में कुतूहलकारी धनायन व्यवस्थाएँ होती हैं, जो उपरोक्त गुणधर्मों के अनकों पर अपना प्रभाव डालती हैं। हाल ही में, जनेउवैअर्के के प्रो. ए. सुंदरेशन ने डबल पेरोवस्काइट $\text{Bi}_2\text{FeAlO}_6$ में शोधाक्षम धनायन $-\text{Fe}^{3+}$ तथा Al^{3+} के असामान्य (अनुक्रमण) वर्गीकरण का वर्णन किया है। ऐसी संरचनाओं के स्थिरीकरण के लिए अनुसंधानकर्ताओं के विगत प्रयत्न असफल रहे हैं। सुंदरेशन तथा उनके दल द्वारा वर्णित उच्च दाब, उच्च तापमान पद्धतियाँ $\text{Bi}_2\text{B}^1\text{B}^{10}\text{O}_6$ रूप के अनेक ध्रुव पदार्थों को अभिगम्य बना सकती हैं। इस प्रशंसनीय कार्य को हाल ही में अंग्यू केम.इंट ईडी 2018, 57, 1-6 में प्रकाशित किया गया है तथा नेचर रिव्यू केमेस्टरी (प्रकृति समीक्षा रासायनिकी) में इसकी विशिष्ट रूप से प्रशंसा की गई है।

शैक्षिक कार्यकलाप

शैक्षिक वर्ष 2018-19 के दौरान केंद्र पर विभिन्न उपाधि कार्यक्रमों में, अगस्त 2018 के सत्र में 57 विद्यार्थियों ने तथा उसके बाद जनवरी 2019 के सत्र में 7 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इससे केंद्र पर जनेउवैअके के विद्यार्थियों की संख्या - 325 हो गई है। मई-2019 में 19 पीएचडी, 2 एमएस (अभि) तथा 16 एमएस (समेकित पीएचडी) उपाधियाँ प्रदान की गई हैं। अगस्त 2019 में प्रारंभ होनेवाले समेकित पीएचडी, पीएचड तथा एमएस कार्यक्रमों के प्रवेशों के लिए विज्ञापन प्रमुख राष्ट्रीय, प्रादेशिक समाचार-पत्रों में जारी किया गया है तथा हमारे जालस्थल (वेब साइट) में घोषित किया गया है। आवेदनों के लिए अंतिम दिनांक 16 अप्रैल, 2019 रहा।



बौद्धिक संपत्ति

स्वीकृत पेटेंट

भारतीय एकास्वाधिकार कार्यालय से जारी :

- ◆ पेटेंट (नं. 311070) शीर्षक - "नानो-वृत्त - हिस्टॉन असेथाइलाट्रान्सफरेस (HAT) सक्रियक संयोजन उसकी प्रक्रिया" - विकासकर्ता - प्रो. तपस कुमार कुंदु तथा मुत्तुस्वामी ईश्वर मूर्ति तथा अन्य।
- ◆ पेटेंट (नं. 307423) शीर्षक - "प्रति जीवाणुवीय यौगिकों का नानो-कण संयोजन तथा उनके अन्य उपयोग" - विकासकर्ता - प्रो. जयंत हल्दर तथा अन्य।
- ◆ पेटेंट (नं. 309617) शीर्षक - NPM1 तथा असेथाइलेटड NPM1 के विरुद्ध एक कृंतकीय संयोजन तथा उनकी प्रक्रिया - विकासकर्ता - प्रो. तपस कुमार कुंदु तथा अन्य।

तकनीकी अनुसंधान केंद्र (TRC)

मूल्यवान आविष्कारों को मार्केट (पणन) ले जाने की स्फूर्ति (मनोभाव) को बनाए रखते हुए अनेउवैअके अपने कार्यप्रवर्तनीय (स्कंध) खंड तकनीकी (तंत्रज्ञान) अनुसंधान केंद्र (TRC) द्वारा लंबे कदम रखने के कार्य को जारी रख रहा है। भारत सरकार (GOI) के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST), द्वारा निधियन (समर्थित) वाले TRC (तअके) ने वाणिज्यिकीकरण के लिए संभाव्यता (विभव) के साथ लगभग 14 परियोजनाओं को समर्थन (निधियन प्रबंध) दिया है। यह TRC वैज्ञानिकों को सहयोगों, उद्योगों तथा उद्यमों के साथ (में) स्थिरीकरण के लिए परस्पर हितों की भागीदारीता को गढ़ने (संविचरणा) के लिए समर्थन (निधियन प्रबंध) देता है। इस TRC ने विगत छः महीनों में तीन सहयोगात्मक व अनुसंधान एवं विकास (R&D) परियोजनाओं को पाँच प्रौद्योगिकियों को अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) तथा दो नवोद्यमों (स्टार्टपों) को सुविधाएँ प्रदान की हैं।

हालही में, कोहरे का आरंभ, उसकी गहनता तथा विकिरण के पूर्वानुमान के लिए प्रो. के.आर. नारायण द्वारा विकसित अंकात्मक अनुरूपण उपकरण ने बेंगलूर अंतर्राष्ट्रीय विमान पत्तन (BIA) के "नम्म एयरपोर्ट" के प्राधिकारियों की (भागीदारीता) अभिरुचि को आकर्षित किया है। कोहरे के छाने (होने) के 4-5 घंटों के पहले ही उसके बलवान (समर्थ) पूर्वानुमान ने जनेउवैअके के साथ समझौता करने के लिए BIA प्राधिकारियों ने अनुभव किया कि निर्धारित (अनुसूचित) उड़ान से पहले ही ऐसा पूर्वानुमान अंततोगत्वा उत्तमतर वायुयान तथा भू-उड़ान प्रबंध के लिए सहायता करेगा तथा जो यात्रिकों को लाभ पहुँचाएगा तथा उड़ान पद्धति में या निकटवर्ती विमान-पत्तनों की ओर विपथन (विचलन) जो विस्तारित उड़ानों के लिए कारणीभूत होते हैं - के कारण से उद्भव होने के भारी वित्तीय भार से बचाया जा सकता है।

दक्षिण अफ्रिका के एकास्वाधिकार (पेटेंट) कार्यालय ने निम्नों को जारी किया है :

- ◆ पेटेंट (नं. 2016/07051) शीर्षक "अल्प आण्विक शोध प्रक्रियाएँ तथा उनके उपयोग" - प्रो. गोविंदराजु तिम्मराया तथा अन्यो द्वारा विकसित।
- ◆ पेटेंट (नं. 2018/01948) शीर्षक - "उत्तेजक प्रतिक्रियात्मक शोधों के रूप में यौगिक (संयुक्त) पद्धतियाँ तथा उनके अन्वयन" - प्रो. गोविंदराजु तिम्मराया तथा अन्यो द्वारा विकसित।

प्रस्तुत किए गए पेटेंट

निम्नों द्वारा विकसित अन्वेषणों के लिए तीन भारतीय अनंतिम पेटेंट आवेदन प्रस्तुत किए गए :

- ◆ प्रो. सेबास्टियन चिरांबट्टे पीटर तथा अन्य। (पेटेंट आवेदन संख्या-2018 41045187, दि. 29-11-18 को प्रस्तुत।)
- ◆ प्रो. रंग उदयकुमार (पेटेंट आवेदन सं. 2019, 41015/55 दि. 15-04-19 को प्रस्तुत)।

PCT के अधीन एक अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन प्रस्तुत

- ◆ PCT "एक चुंबकीय क्षेत्र द्वारा वाइल (Weyl) अर्ध धातु के प्रकाश-उत्प्रेरक जल विघटन क्षमता का वर्धन" - प्रो. चिंतामणी नागेश रामचंद्र राव तथा अन्य द्वारा विकसित।

निम्न के लिए दो राष्ट्रीय स्तर के पेटेंट आवेदन प्रस्तुत :

- ◆ "एक बहुतलक जाल कार्य, उत्पादन की पद्धतियाँ तथा उनके उपयोग" - प्रो. जयंत हल्दर तथा अन्य द्वारा विकसित। यूएसए केनडा में प्रस्तुत।

अधिगम कार्यकलाप

शिक्षा प्रौद्योगिकी एकक

नवंबर से दिसंबर तक : कॉलेज केमिस्ट्री किट का उपयोग करके प्रयोगों पर चार कार्यशालाएँ संचालित की गईं, जिनमें 4 पूर्व स्नातक महाविद्यालयों (कॉलेजों) के 99 विद्यार्थियों तथा 9 शिक्षकों ने प्रतिभागिता की।

- 2-4 नवंबर 2018 :** साल्टर्स केमिस्ट्री शिबिर (कैंप) का संचालन रॉयल सोसाइटी केमिस्ट्री के सहयोग में किया गया, जिसमें ग्रामीण सरकारी (स्कूलों) विद्यालयों के 60 विद्यार्थियों ने अपने समन्वयनकारों के साथ प्रतिभागिता की।
- 19 नवंबर 2018 :** जनेउवैअर्के के प्रो. चंद्रभास नारायण तथा डॉ. टी. गोविंदराजु द्वारा दो व्याख्यान दिए गए उसके उपरांत अंतर्क्रियात्मक प्रश्नोत्तरी सत्र रहे। इस कार्यक्रम में लगभग 200 विद्यार्थियों ने तथा शिक्षकों ने भाग लिया।
- 10 दिसंबर 2018 :** सरकारी हाईस्कूल, जनेवि (JNV) - यलहंका चंदन स्कूल - लक्ष्मेश्वर आदि से 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया। IISER पुणे के मि. अशोक रूपनर द्वारा एक व्याख्यान प्रदर्शन किया गया। जनेउवैअर्के के संकाय सदस्यों द्वारा व्याख्यान दिए गए तथा उसके उपरांत अंतर्क्रियात्मक प्रश्नोत्तरी सत्र रहे।
- 13-15 दिसंबर 2019 :** सागर साइन्स फोरम के सहयोग में कर्नाटक के शिवमोगा के सागर में हाईस्कूल के शिक्षकों के लिए एक संवर्धन आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जनेउवैअर्के के प्रो. एन.एस. विद्याधिराज तथा मि. विनायक पत्तार द्वारा व्याख्यान तथा प्रयोगात्मक सत्र दिए गए।



जनेउवैअर्के के एक लैब में साल्टर्स केमिस्ट्री कैंप में एक प्रयोग करते हुए प्रतिभागी।

17-18 जनवरी 2019 : 'परिक्रमा' नामक एक गैर सरकारी संघ के सहयोग में विज्ञान के परिक्रमा उत्सव का आयोजन किया गया। इस वर्ष इस विज्ञान उत्सव का विषयवस्तु "वन्य-जीवन" - रहा। प्रो. सी.एन.आर. राव ने उत्सव का उद्घाटन किया तथा विद्यार्थियों को संबोधित किया। प्रो.वी. नागराज तथा श्रीमती इंदुमती राव प्रतिष्ठित आमंत्रितों में प्रमुख व्यक्ति रहे। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों, अतिथियों तथा स्वयं सेवक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

22-24 जनवरी 2019 : चंदन विद्यालय लक्ष्मेश्वर गदग जिले के साथ एक तीन दिवसीय कार्यशाला का संचालन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. सी.एन.आर. राव द्वारा किया गया, जिन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित किया तथा उसके उपरांत अंतर्क्रियात्मक प्रश्नोत्तरी सत्र हुए। प्रो. के.एस. वाल्दिया ने भी हिमालय की भूगतिकी पर दो व्याख्यान प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम को सी.एन.आर. राव शिक्षा प्रतिष्ठान द्वारा निधियन की व्यवस्था की गई थी, जहाँ पर जनेउवैअर्के के संकायों द्वारा भौतिकी एवं रासायनिकी पर व्याख्यान दिए गए तथा प्रयोग किए गए।

31 मार्च - 4 अप्रैल 2019 : शिवमोगा जिले के 'सागर' में सागर साइन्स फोरम के सहयोग में भौतिकी प्रयोगों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जहाँ पर निम्न लागत भौतिकी नमूने (NCERT VIII-X से) बनाने के बारे में व्याख्यान दिए गए तथा साथ ही (प्रदर्शन) निरूपण जनेउवैअर्के के मि. विनायक पत्तार द्वारा दिए गए। इस कार्यशालाओं में 8 हाईस्कूल शिक्षकों ने तथा 4 विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा 20 भौतिकी किट तैयार किए गए तथा प्रत्येक किट में लगभग 25 प्रयोग निहित रहे।

08 अप्रैल - 18 मई 2019 : विद्यार्थी परामर्शी कार्यक्रम (SMP) के अधीन कक्षा - X के बारह विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने नियमित कक्षाओं में उपस्थित रहे, प्रयोगालय तथा पुस्तकालय में कार्य किया। केंद्र पर उनके रहने के दौरान मनोरंजन कार्यक्रमों के साथ-साथ निर्धारित कार्य तथा परीक्षण किए गए तथा उनका मूल्यांकन भी किया गया।

अधिसदस्याएँ और विस्तरण कार्यक्रम

अधिसदस्यताओं में अभिवृद्धि : ग्रीष्म अनुसंधान अधिसदस्यता कार्यक्रम (SRFP), परियोजना अभिमुखी रासायनिकी शिक्षा (POCE) तथा परियोजना अभिमुखी जैविकी शिक्षा (POBE) - इन सभी अधिसदस्यता कार्यक्रमों के लिए अधिसदस्यता (छात्रवृत्ति) की वृद्धि ₹.10,000/- प्रतिमाह, वर्ष 2019 के सत्र से कर दी गई है।

ग्रीष्म अनुसंधान अधिसदस्यता कार्यक्रम (SRFP)

इस वर्ष पदत अधिसदस्यताओं की संख्या 150 तक वर्धित कर दी गई है। SRFP-2019 के लिए विज्ञापन दो समाचार पत्रों में तथा जनेउवैअर्के के वेबसाइट (जालस्थल) में जारी कर दिया गया है। देशभर के लगभग 200 कॉलेजों को अधिसूचनाएँ तथा आवेदन-पत्र ई-मेल द्वारा भेज दिए गए हैं। इसके लिए 2020 आवेदन प्राप्त किए गए हैं, विभिन्न विज्ञान की अंतर्शाखाओं में 147 अभ्यर्थियों की चयनित सूची बनाई गई है तथा अधिसदस्यता प्रदान की गई है।

परियोजना अभिमुखी रासायनिकी शिक्षा (POCE)

POCE-2016-18 बैच के नौ विद्यार्थियों को रासायनिकी में डिप्लोमा प्रदान किए गए हैं। POCE-2019 के लिए विज्ञापन हमारे जालस्थल (वेबसाइट) में तथा समाचार-पत्रों में जारी किया गया है। आवेदन-पत्र प्राप्त करने का अंतिम दिनांक - 8 मार्च, 2019 रहा। 385 आवेदनों में से सात राज्यों के 10 अभ्यर्थियों की चयनित सूची बनाई गई है।

परियोजना अभिमुखी जैविकी शिक्षा (POBE)

POBE-2016-18 के छः विद्यार्थियों ने अपना कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया, उन्हें जैविकी में डिप्लोमा दिया गया। POBE-2019 के लिए विज्ञापन हमारे वेबसाइट तथा समाचार-पत्रों में जारी किया गया है। आवेदन-पत्र प्राप्त करने का अंतिम दिनांक 08 मार्च 2019 रहा। प्राप्त 453 आवेदनों में से 10 राज्यों के ग्यारह अभ्यर्थियों की चयनित सूची बनाई गई है।

आगंतुक अधिसदस्यता कार्यक्रम

आगंतुक अधिसदस्यता कार्यक्रम - 2018-19 के लिए केंद्र ने विभिन्न श्रेणियों के लिए 21 आवेदन प्राप्त किए हैं। इस कार्यक्रम के लिए अभ्यर्थियों की चयन-सूची तैयार करने के लिए एक समिति की रचना की गई है तथा 16 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। भौतिक-विज्ञान श्रेणी में बारह अभ्यर्थियों का चयन किया गया है तथा शेष को जैविक विज्ञान श्रेणी में चयन किया गया है।

छात्र मैत्री कार्यक्रम

छात्र मैत्री कार्यक्रम 2018 के अधीन अनेउवैअर्के में कुल 108 विद्यार्थी तथा 10 शिक्षक आगंतुक बने। यह छात्र मैत्री कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा है तथा JNU (जनेवि) तथा के.वी. (KV) के विद्यार्थियों ने तथा शिक्षकों ने इस कार्यक्रम के बारे में बार-बार जनेउवैअर्के पर आने की अपनी इच्छा प्रकट की है। जनेके के छात्र मित्रों ने भी अपना यह पुनर्निवेशन दिया है कि वे फिर इन कार्यक्रम में प्रतिभागिता करना तथा स्कूल के विद्यार्थियों की भारी संख्या में अंतर्क्रिया करना चाहेंगे। इस कार्यक्रम के प्रारंभ 2015 से लेकर अब तक इस कार्यक्रम के अधीन 374 विद्यार्थियों ने जनेउवैअर्के का दौरा किया है।

पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ

संकायों द्वारा प्राप्त पुरस्कार

प्रो. सी.एन.आर.राव

- प्रो. सी.एन.आर.राव को साइन्स पुरस्कार-2017
- UAE के उन्नत पदार्थों के लिए केंद्र द्वारा दिए जानेवाले पदार्थ अनुसंधान के लिए प्रथम शेख सोद अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रो. एम.आर.एस. राव

- SERB विज्ञान पीठ प्रोफेसरशिप के वर्ष के लिए ।

प्रो. जी.यू. कुलकर्णी

- MRSI प्रतिष्ठित व्याख्यानकार पुरस्कार (2019-20)

प्रो. नमिता सुरोलिया

- DBT प्रतिष्ठित जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान प्रोफेसरशिप पुरस्कार

प्रो. चंद्रभास नारायण

- भारतीय विज्ञान अकादमी - बेंगलूर की अधिसदस्यता
- मिजुशिमा-रामन-व्याख्यान-2018

प्रो. उमेश वी. वाघमारे

- सदस्य - राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी परिषद, अलहाबाद ।
- अधिसदस्य - एशिया पैसिफिक पदार्थ अकादमी ।

प्रो. मनीषा इनामदार

- प्रो. सी.एन.आर. राव वकृता पुरस्कार-2019.
- सदस्य - प्रो. मनीषा इनामदार को WHO (वि.स्वा.सं.) के परामर्शी समिति के सदस्य के रूप में चुना गया है, जिन्होंने मानव न्यूनतम सूत्री संस्करण के अभिशासन एवं निरीक्षण के लिए वैश्विक मानकों को विकसित किया है ।

प्रो. स्वपन के पति

- भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली की अधिसदस्यता

प्रो. कौस्तुव सन्याल

- अमरीकी सूक्ष्म जैविकी अकादमी के अधिसदस्य ।

प्रो. तपस कुमार माजी

- भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलूर की अधिसदस्यता ।

डॉ. टी. गोविंदराजु

- रासायनिकी विज्ञान श्रेणी में औषध अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए CDRI - पुरस्कार - 2019

डॉ. सुबी जे. जॉर्ज

- भारतीय विज्ञान अकादमी बेंगलूर की अधिसदस्यता ।

डॉ. जयंत हल्दर

- वर्ष 2018 में प्रौद्योगिकी नवोन्मेष के लिए 8वें राष्ट्रीय पुरस्कार - रासायनिकी एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार ।
- CRSI वर्ष 2018 में कॉस पदक
- वर्ष 2018 में शेख सर्क करियर पुरस्कार अधिसदस्यता ।

डॉ. सेबास्टियन सी. पीटर

- स्वर्ण जयंती अधिसदस्यता - (रासायनिक विज्ञान) (2018)

डॉ. रंजनी विश्वनाथ

- भारतीय पदार्थ अनुसंधान संघ (MRSI) से वर्ष 2018 के लिए MRSI पदक ।

डॉ. कनिष्क बिस्वास

- भारतीय रासायनिक अनुसंधान संघ (CRSI) से वर्ष 2019 के लिए CRSI कॉस पदक

डॉ. कुशाग्र बन्सल

- जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा रामलिंगस्वामी पुनःप्रवेश अधिसदस्यता ।



नियुक्ति

संकाय अधिसदस्य

डॉ. कुशाग्र बन्सल

पदोन्नति

प्रोफेसर

प्रो. एन.एस. विद्याधिराज

संकायाध्यक्ष (डीन)-अध्यक्ष (चेयरपर्सन) तथा एककों के प्रभारी

अध्यक्ष - प्रभारी

प्रो. के.एस. नारायण

संकायाध्यक्ष - अधिसदस्यताएँ व विस्तरण कार्यक्रम

प्रो. एन.एस. विद्याधिराज

संकायाध्यक्ष - अनुसंधान तथा विकास

प्रो. चंद्रभास नारायण

(अध्यक्ष) चेयर : आण्विक जैविकी तथा आनुवंशीकी एकक

प्रो. मनीषा इनामदार

(अध्यक्ष) चेयर : रासायनिकी पदार्थ भौतिकी एकक

प्रो. ए. सुंदरेशन

सहयोगी निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय पदार्थ-विज्ञान केंद्र

प्रो. एम. ईश्वरमूर्ति

प्रातिनिधिक अध्यक्ष (चेयर), शिक्षा प्रौद्योगिकी एकक

डॉ. टी. गोविंदराजु

सहयोगी चेयर, नव रासायनिकी एकक

डॉ. सुबी जे. जॉर्ज

विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त पुरस्कार

पीएचडी विद्यार्थी

सुश्री अनन्या बनिक, घन अवस्था रासायनिकी प्रयोगालय NCU - ने IISER, पुणे के ऊर्जा तथा चलनशीलता सम्मेलन में "KPIT शूध पुरस्कार" अत्युत्तम शोध प्रबंध के लिए प्राप्त किया है ।

मि. गौरव बार्वे, स्वभक्षी प्रयोगालय - MBGU एक अग्रणी लेखक के रूप में कोशिका विज्ञान (जर्नल) पत्रिका में उसके एक जर्नल प्रकाशन में उसका एक संदर्शन प्रकाशित किया गया है (शीर्षक - "प्रथम व्यक्ति" - गौरव बार्वे) ।

सुश्री सोम्या वत्स, स्वभक्षी प्रयोगालय MBGU ने न्यूटन भाभा अधिसदस्यता प्राप्त की है तथा डॉ. सोवन सरकार, बकिंगहैम वि.वि. यू.के. के सहयोग में उसका अनुसंधान तंत्रिकाह्रासी विकारों के उपचार में नई संभावनाओं को खोल देता है ।

सुश्री श्रीमायी मुखर्जी, ICMS - प्रो. राजेश गणपति के साथ भौतिकीय समीक्षा पत्र में उसके हाल ही का एक प्रकाशन को समीक्षा "संपादक के सुझाव" के रूप में चुना गया है तथा जर्नल - अंक में आवरण पृष्ठ के रूप में प्रकाशित हुआ है ।

मि. शुभजीत राय चौधुरी, घन अवस्था रासायनिकी प्रयोगालय - NCU ने वर्ष 2019 में MRS स्प्रिंग मीटिंग, फोनिक्स, अरिजोना, यूएसए में "स्नातक विद्यार्थी रजत पुरस्कार" प्राप्त किया ।

सुश्री नेहा वाष्ण्य, आण्विक कवकविज्ञान प्रयोगालय MBGU ने गुणसूत्र स्थिरता बैठक - 2018 में प्लॉस आनुवंशीकी अत्युत्तम भित्ति-चित्र पुरस्कार प्राप्त किया ।

स्नातकोत्तर (डॉक्टरोत्तर) अधिसदस्य

डॉ. श्रीदेवी पद्मनाभन, डॉक्टरोत्तर अधिसदस्य श्रेणी में DST अवसर पुरस्कार प्राप्त किया ।

व्याख्यान, बैठकें तथा कार्यक्रम (घटनाएँ)



छानबीन में 2019 - 18 जनवरी 2019

चर्चा बैठकें तथा सम्मेलन

- ◆ गुणसूत्र तथा वर्णक जैविकी के एशियन मंच (फोरम) की नवीं बैठक - प्रो. तपस कुमार कुंदु, जनेउवैअकें, 15-17 नवंबर, 2018
- ◆ जैविकीय रसायन संघ की 87वीं वार्षिक बैठक (SBC-1) - डॉ. सत्यमूर्ति MAHE मणिपाल, 25-27 नवंबर 2018.
- ◆ पारगमन धातु ऑक्साइडों की घन अवस्था रासायनिकी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी - प्रो. ए. सुंदरेशन, जनेउवैअकें, 30 नवंबर-दिसंबर, 2018
- ◆ "ऊर्जा, भंडारण, ऊर्जा परिवर्तन तथा इंधन-उत्पादन के विद्युत-रासायनिकी मार्ग" - प्रो. सेबास्टियन सी. पीटर, जनेउवैअकें - 10-13 दिसंबर, 2018.
- ◆ "ऊर्जा तथा पर्यावरण के लिए पदार्थों का नमूनन तथा अनुरूपण" पर शरद स्कूल । - प्रो. उमेश वी. वाघमारे, जनेउवैअकें - 12-14 दिसंबर 2018.
- ◆ गुणसूत्र-स्थिरता पर सम्मेलन - प्रो. कौस्तुव सन्याल, जनेउवैअकें - 14-18 दिसंबर 2018.
- ◆ द्रव-दिवस-2019 - 24-25 जनवरी-2019 को ।
- ◆ "प्रथम भारतीय पदार्थ निर्वाचिका बैठक तथा भारतीय पदार्थ अनुसंधान संघ की 30वीं वार्षिक सामान्य सभा" - प्रो. पी.एस. अनिल कुमार तथा प्रो. एस.बी. कृपानिधि (IISC) भा.वि.सं. 12-15 फरवरी 2019
- ◆ "रासायनिकी एवं जैविकी के अंतरापृष्ठ पर गतिकी सम्मेलन" - प्रो. अनिंदा जीवन भट्टाचार्य - 18-20 फरवरी - 2019.
- ◆ रासायनिकी एवं पदार्थ भौतिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : "वैभवपूर्ण अतीत तथा उत्तेजक भविष्य" - प्रो. सुबी जे. जॉर्ज, उमेश वी. वाघमारे तथा चंद्रभास एन., जनेउवैअकें, 20-22 फरवरी - 2019.
- ◆ "जीवन विज्ञान उत्सव-2019" MBGU, जनेउवैअकें, 8 मार्च-2019.
- ◆ विकासवादी जैविकी-2019 में SERB प्रायोजित स्कूल (प्रशिक्षण)-संयोजक डॉ. टी.एन.सी. विद्या, दि. 12-26 मार्च, 2019.

त्रिंका विज्ञान एकक द्वारा अन्वेषण (छानबीन) - 2019

अन्वेषण - 2019 - एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को अनुसंधान में भविष्य के लिए प्रेरणा देने हेतु 18 जनवरी, 2019 को किया गया था । विभिन्न प्रकार के प्रस्फुरणात्मक व्याख्यानों के बाद शैक्षिक करियर में कैसे पहुँच पाए - इस बारे में वैज्ञानिकों तथा सूचककर्ताओं के बीच में अंतर्क्रियाओं के लिए अवसर के बारे में चर्चा की गई ।

धर्मदाय व्याख्यान

प्रो. वी. रामलिंगस्वामी स्मारक व्याख्यान (इस श्रेणी का 16वाँ) वक्ता - डॉ. शेखर सी. मंटे, सचिव, DSIR तथा महानिदेशक, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली - "शीर्षक - जालकार्य तथा क्षयरोगी" दि. 29 अप्रैल, 2019



रासायनिकी में ए.वी. राम राव संस्थापना (प्रतिष्ठान) व्याख्यान

संस्थापना व्याख्यान - वक्ता - प्रो. एस. संपत, अजैविक एवं भौतिकी रासायनिकी विभाग, भा.वि.सं. बेंगलूर, शीर्षक - "रूपांतरित सतहों का पात्र तथा विद्युत - रासायनिकी में बहु-प्रकार्यत्मक उत्प्रेरक", पुरस्कार व्याख्यान, वक्ता प्रो. अशोक कुमार गंगुली, रासायनिकी विभाग, प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली, शीर्षक - "ऊर्जा तथा पर्यावणीय अन्वयनों के लिए नानो संरचनाओं का अभिकल्प", दि. 10 मई, 2019.

व्याख्यान एवं बैठकें जारी हैं ...

NCU सम्मेलन

(SAMat) उन्नत पदार्थों पर स्कूल (प्रशिक्षण) ने एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आतिथ्य किया – विषय – रासायनिकी एवं पदार्थ भौतिकी : वैभवपूर्ण अतीत तथा उत्तेजनकारी भविष्य – जनेउवैअकें पर दि. 20-22 फरवरी, 2019. इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य पदार्थ-विज्ञान में अनुसंधान में भविष्य की दिशाएँ (के निर्देशन) के दृष्टिकोण का निर्माण करने का रहा है ।



वार्षिक संकाय बैठक तथा आंतरिक संगोष्ठी

वार्षिक संकाय बैठक तथा आंतरिक संगोष्ठी का आयोजन दि. 13 व 14 नवंबर 2018 को किया गया । इस दो दिवसीय कार्यक्रम में केंद्र तथा अन्य वैज्ञानिक संस्थाओं के वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए गए ।

नोबल पुरस्कृत का दौरा (आगमन)

प्रो. बेन एल. फेरिंग, आण्विक विज्ञान, स्ट्रेटिंग संस्थान, ग्रोनिंगेन वि.वि. द नेदरलैंड के जेकोबस वाट हॉफ़ प्रतिष्ठित प्रोफेसर तथा आण्विक यंत्रों के क्षेत्र में उनके योगदानों के लिए नोबल पुरस्कार (2016) के प्राप्तकर्ता द्वारा केंद्र पर दि. 11 मार्च 2019 को दौरा किया गया । SAMat संकायों के साथ एक संक्षिप्त अंतर्क्रिया तथा विद्यार्थियों के साथ चर्चा का भी प्रबंध किया गया था ।



आगामी कार्यक्रम

- ◆ 28 वें द्रव-गतिकी के असतत (पृथक) अनुरूपण अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन दि.22-26 जुलाई 2019 को होगा ।
- ◆ रासायनिक सीमांत – गोवा – CFG – 2019, संयोजक : प्रो. आर. मुरुगवेल – दि.22-29 अगस्त 2019 को होगा ।
- ◆ वार्षिक संकाय बैठक तथा आंतरिक संगोष्ठी – दि.13-14 नवंबर – 2019 को होगी ।
- ◆ 'बेंगलूर विज्ञान हब- संयोजक : प्रो. राजेश गोपकुमार ICIS – जनवरी 2020 को होगा ।
- ◆ MLK@80 संगोष्ठी, संयोजक : प्रो. एस. बालसुब्रमणियन तथा प्रो. उमेश वी. वाघमारे, जनेउवैअकें, 18-20 फरवरी 2020 को होगी ।



जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र

जक्कूर, बेंगलूर - 560 064, कर्नाटक, भारत

फोन: +91-80-22082750, फैक्स: +91-80-22082766

ई-मेल: admin@jncasr.ac.in; वेबसाइट: www.jncasr.ac.in

संपादक: डॉ. शीबा वासु

संपादकीय सहायता: नबोनिता गुहा तथा ग्रंथालय कर्मचारी वृंद

© Copyright 2019. JNCASR



Design by dataworx.co.in